शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

(10)

आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः

संगीत विषय के अध्ययनमंडल
द्वारा अनुमोदित संगीत विषय के
स्नातक (2017–2020) एवं स्नातकोत्तर (2017–2019) पाठ्यक्रम

अनुमोदन अकादमिक सत्र
2017–2018

प्रस्तुतकर्ता

स्नातकोत्तर एवं शोध अध्ययन केन्द्र

संगीत विभाग

प्राप्तकर्ता

अकादमिक प्रकोष्ठ

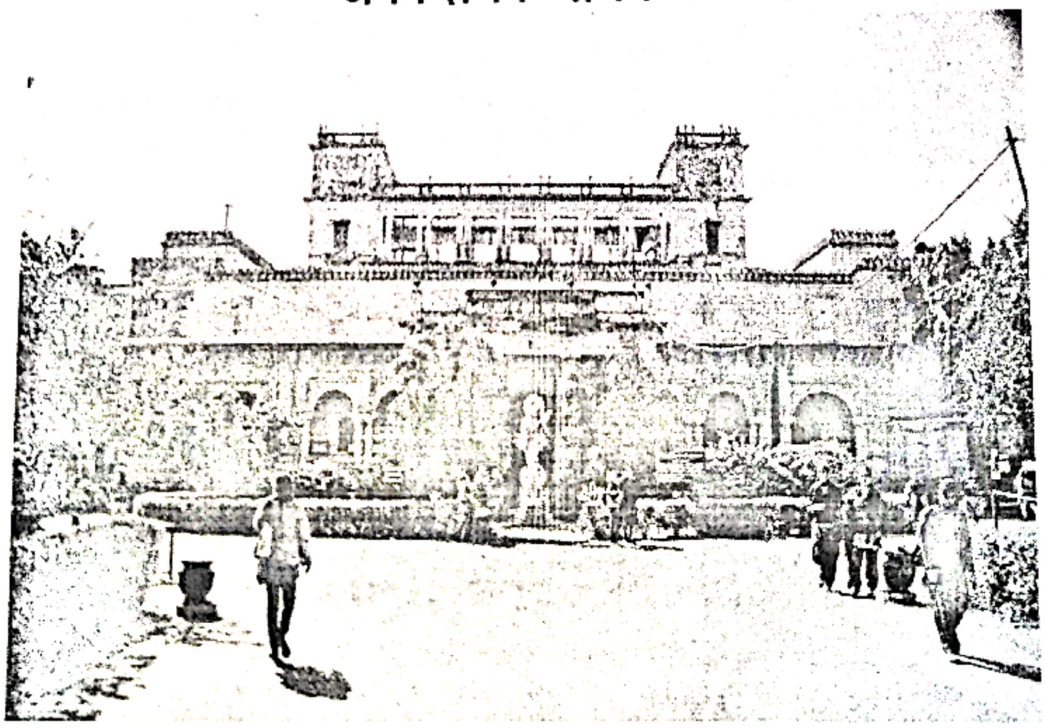

वेबसाइट : www.krgc.gwl.org ईमेल : krgc@rediffmail.com
दूरभाष : 0751 – 2625495, 0751 – 2438173, फैक्स : 0751 – 2625495

www.krgcgwalior.org
NAAC Grade : 'A'
फोन — (0751) 2625495

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

दिनांक 30 जून, 2017

संगीत विभाग

अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवाही विवरण

नवीन सत्र 2017–18 हेतु संगीत (गायन, वादन, नृत्य) विषय से सम्बंधित

अध्ययन मण्डल की बैठक आज दिनांक 30 जून, 2017 को प्रातः 11:00 बजे संगीत विभाग में आयोजित की गई, जिसमें निम्नानुसार उपस्थिति रही –

1. डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्धे — SSahasrabudhe
2. डॉ. अतुल गुप्ता [signature]
3. डॉ. अनूप मोघे [signature]
4. डॉ. ज्योत्सना राणा
5. डॉ. स्वप्ना मराठे
6. डॉ. पी० एल० गोहदकर P.L.Gohadkar
7. डॉ. वी. डी. मानिक [signature] 30.6.17
8. डॉ. रमाशंकर — अनुपस्थित
9. डॉ. श्री श्रीराम उमड़ेकर — "
10. डॉ. श्री पुष्कर देशमुख — "
11. डॉ. सुचित्रा हरमलकर — "
12. डॉ. कु. भारती लवानिया — "

[signatures] 30.6.17 30.6

अध्ययनमंडल की बैठक की कार्यवाही निम्नानुसार रही –

1. संगीत गायन वादन नृत्य विषय के स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2017–2018 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

2. संगीत गायन वादन नृत्य विषय के स्नातक स्तर के तृतीय, चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2017–2018 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

3. संगीत गायन वादन विषय के स्नातकोत्तर स्तर के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2017–2018 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

4. संगीत गायन वादन विषय के स्नातकोत्तर स्तर के तृतीय, एवं चतुर्थ, सेमेस्टर के पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2017–2018 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य/अथवा आंशिक संशोधन के साथ मान्य किया जाता है।

5. संगीत गायन वादन नृत्य विषय की सत्र 2017–2018 में होने वाली परीक्षाओं हेतु संलग्न परीक्षकों की सूची को अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

6. विभाग में सत्र 2017–2018 में यदि कोई शोध संगोष्ठी/कार्यशाला/अधिवेशन/अध्ययन भ्रमण आदि के आयोजन का प्रस्ताव है तो उसका विवरण एवं अनुशंसा संगीत विभाग की ओर से सत्र 2017 के नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला आयोजित करना प्रस्तावित है। उसका विषय "शास्त्रीय संगीत की तकनीकों में परिवर्तन की संभावनाएँ" होगा। इस संगोष्ठी एवं कार्यशाला में गायन, वादन एवं कत्थक नृत्य की तकनीकों एवं इनसे सम्बन्धित अध्ययन, अध्यापन में उपयोग पर चर्चा एवं प्रस्तुती होगी; जो बाह्य विशेषज्ञों द्वारा की जावेगी इसका अनुमानतः व्यय लगभग 1.50000/- प्रस्तावित है।

30.6.17

P. L. Gorachu 30.6.17

SSahasrabudhe 30/6/17

7. यदि विभाग में स्ववित्तीय योजना के तहत् कोई पाठ्यक्रम/अतिरिक्त विषय/डिप्लोमा कोर्स/सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने की योजना हो तो उसका विवरण एवं अनुशंसा।

लोक संगीत गायन 3 माह का सर्टिफिकेट कोर्स आरंभ करना प्रस्तावित है। जिसका पाठ्यक्रम संलग्न है।

8. यदि अन्य कोई विषय हो तो उसका विवरण एवं अनुशंसा।

विभाग में एक लोक वाद्य संग्रहालय का निर्माण प्रस्तावित है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र बुंदेलखंड अंचल से लगा हुआ है। यहाँ के क्षेत्र में लोक विधा के विभिन्न रंग हैं इनमें प्रयुक्त वाद्य यंत्रों का संग्रहालय निर्माण होगा; जो महाविद्यालय एवं विभाग की उपलब्धि होगी। इस तरह का संग्रहालय इस क्षेत्र में अनूठा होगा। इसके निर्माण हेतु संगीत गुरुकुल दतिया से सहयोग लेने का प्रस्ताव है जहाँ इस तरह के संग्रहालय के वाद्यों का निर्माण एवं रखरखाव किया जाता है। साथ ही यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया कि स्नातक प्रथम वर्ष गायन, वादन एवं नृत्य का पाठ्यक्रम आज दिनांक 30/6/17 तक online उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध नहीं हुआ है। इस सत्र से प्रथम वर्ष स्नातक में वार्षिक परीक्षा पद्धति का पाठ्यक्रम लागू किया जाना है। इस कारण उक्त पाठ्यक्रम प्राप्त न होने से इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जब उक्त वार्षिक पाठ्यक्रम प्राप्त होने पर उसे अध्ययन अध्यापन हेतु लागू किया जाए।

~~हस्ताक्षर अध्ययन मंडल अध्यक्ष एवं समस्त सदस्य~~

S Sahasrabudhe
30/6/17

30.6.17

P.L. Gohadu
30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
अ.मू.– 08

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी।
यमन, भूपाली, खमाज, भैरव। त्रिताल, दादरा, एकताल (दुगुन एवं चौगुन के साथ लिखने का अभ्यास)

इकाई – 2

1 – भातखण्डे नोटेशन पद्धति का ज्ञान। (स्वरलिपि)
2 – पाठ्यक्रम के रागों में निम्न बंदिशों की स्वरलिपि लिखने का अभ्यास।
द्रुत ख्याल, सरगम।

इकाई –3

परिभाषाएं – श्रुति, स्वर, सप्तक, अलंकार, थाट, मींड, वर्ण, घसीट, कृन्तन, जमजमा, सम, ताली, खाली

इकाई –4

निम्न गीत शैलियों का ज्ञान –
सरगम, लक्ष्मणीत, ख्याल, मसीतखानी, गत।

इकाई –5

निम्न संगीतज्ञों का जीव परिचय एवं संगीत में योगदान–
तानसेन, पं. भातखंडे

30/6/17 30.6 P.L. Gwalior 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

1 – प्रारंभिक दस अलंकार

इकाई – 2

2 – निम्न रागों का अध्ययन– यमन, भूपाली, खमाज, भैरव।

उक्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड़, सरगम, लक्षणगीत, द्रुत ख्याल एवं एक विलम्बित ख्याल, आलाप, तान सहित/दो तरानें।

इकाई –3

पाठ्यक्रम के तालों का अध्ययन हाथ पर ताल, दादरा, एकताल, त्रिताल।

इकाई –4

एक गीत अथवा एक भजन के गायन का अभ्यास।

इकाई –5

प्रायोगिक रिकार्ड।

30/6/17

30.6 P.L. Gowalw 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017–18
प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
अ.मू.–08

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी।
अल्हैया बिलावल, काफी, आसावरी, भैरवी/कहरवा, झपताल, चौताल (दुगुन एवं चौगुन के साथ लिखने का अभ्यास)

इकाई – 2

अ. – पं. पलुस्कर स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान।
ब. – पाठ्यक्रम के रागों में निम्न बंदिशों को लिखने का अभ्यास।
सरगम, द्रुत ख्याल।

इकाई –3

परिभाषाएं– नाद एवं उसकी विशेषताएं, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, गमक खटका, मुर्की।

इकाई –4

निम्न गीत शैलियों का ज्ञान –
ध्रुवपद, धमार, चतुरंग, रजाखानी गत।

इकाई –5

निम्न संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सगीत में योगदान–
स्वामी हरीदास, पं. पलुस्कर

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18
द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

10 थाटों में से किन्हीं पांच थाटों में अलंकार गायन का अभ्यास।

इकाई – 2

निम्न रागों का अध्ययन

अल्हैया बिलावल, काफी, आसावरी, भैरवी।

उक्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड़, सरगम लक्षमणगीत, द्रुतख्याल एवं एक विलम्बित ख्याल, आलाप तान सहित। दो तराने।

इकाई –3

पाठ्यक्रम के तालों का अध्ययन, हाथ पर लगाने का अभ्यास – कहरवा, झपताल, चौताल।

इकाई –4

एक ध्रुवपद दुगुन के साथ

इकाई –5

प्रायोगिक रिकार्ड

SS 30/6/17 30.6.17 P.L. Goel 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.– 08

इकाई – 1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों को विवेचनात्मक जानकारी। बिहाग, हमीर, देस, बागेश्री, जौनपुरी। रूपक, तिलवाडा, सूलताल (दुगुन एवं चौगुन सहित)

इकाई – 2

(अ) पारिभाषिक शब्दों की जानकारी।

कुतप, वृन्दगायन, गायक–नायक, वाग्येकार, गांधर्व

(ब) पाठ्यक्रम के रागों में द्रुत रचनाओं में स्वरलिपि लेखन दो–दो तानों सहित।

इकाई –3

ध्वनि– सांगितिक एवं असांगितिक ध्वनि, कंपन, कंपनांक एवं ध्वनि से सम्बन्धित सामान्य शब्दावली का ज्ञान (जैसे– आंदोलन, डोल अथवा थरथराहट, प्रतिध्वनि)

लय – परिभाषा एवं प्रकार

इकाई –4

निम्नलिखित गीत प्रकारों का अध्ययन– टप्पा, ठुमरी, गीत, गजल, भजन।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान–

अमीर खुसरो, पं. शारंग देव

30/6/17 30.6.17 P.L. Gradha 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम के निम्न रागों में से किन्हीं एक में विलम्बित ख्याल तथा सभी रागों में आरोह अवरोह पकड़, सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचना। आलाप तान सहित।

विहाग, केदार, देस बागेश्री, जौनपुरी। निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास – रूपक, तिलवाड़ा, सुलताल।

इकाई – 2

उपरोक्त रागों में से किन्हीं दो में तराना एवं एक ध्रुवपद, दुगुन सहित।

इकाई –3

एक गजल अथवा राष्ट्र भक्ति गीत।

30/6/17

30.6.17

P. L. Gaud 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017–18
प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42

आ.मू.–08

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी – देशकार, हमीर, जयजयवंती, भीमपलासी, मालकौंस। तीव्रा, धमार, झूमरा (दुगुन एवं चौगुन सहित)

इकाई – 2

(अ) गायक एवं वादक के गुण, अवगुण।

(ब) पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं द्रुत रचनाओं की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास।

इकाई –3

अ. सप्तक – परिभाषा एवं प्रकार

ब. मेजर टोन, माइनर टोन एवं सेमीटोन

स. अल्पत्त्व–बहुत्त्व, अर्विभाव–तिरोभाव।

इकाई –4

लोक संगीत की जानकारी एवं निम्न लोक गीत प्रकारों का वर्णन – कजरी, चैती, मांड, गरबा, लावणी, होरी।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।

पं. अहोबल, पं. लोचन।

30/6/17 30/6/17 P.L. 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017-18
द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम के निम्न रागों में से किन्हीं एक में विलम्बित तथा सभी रागों में आरोह, अवरोह, पकड़, सरगम, लक्षणगीत, द्रुत ख्याल, आलाप, तान सहित।

देशकार, हमीर, जयजयवंती, भीमपलासी, मालकौंस

निम्न तालों के ठेके दुगुन सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।

तीव्रा, धमार, झूमरा।

इकाई – 2

उपरोक्त रागों में कोई दो तराने एवं एक धमार दुगुन सहित।

इकाई –3

एक लोकगीत

इकाई –4

प्रायोगिक रिकॉर्ड।

88 30/6/17

30/6/17 P.L. Gouda 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017-18
प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी – शुद्ध कल्याण, छायानट, रामकली, बहार, दरबारी, कान्हड़ा, पूरिया। आड़ा चौताल, दीपचन्दी, पंजाबी–ठेका, ठाह, दुगुन, चौगुन में लेखन।
2. पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों का स्वरलिपि लेखन।

इकाई – 2

अहोबल एवं श्रीनिवास द्वारा वीणा के तार पर निर्धारित शुद्ध एवं विकृत स्वर स्थान।

पं. व्यंकटमखी के एक सप्तक से 72 थाटों की उत्पत्ति का सिद्धांत।

इकाई –3

1. ग्राम परिभाषा एवं प्रकार, राग वर्गीकरण के अन्तर्गत राग रागिनी वर्गीकरण।

इकाई –4

निबद्ध अनिबद्ध गान, आलप्ति, रागालाप, रूपकालाप की परिभाषाएं।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान।

पं. कुमार गंधर्व, उ. अल्लाउद्दीन खाँ

30/6/17 30.6.17 P.L. Gowalw 30-6-17 30.6.

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम के निम्न रागों में से किसी दो रागों में विलम्बित ख्याल (आलाप तान तोड़ों सहित) तथा सभी रागों में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचनाएं।

शुद्धकल्याण, छायानट, रामकली, बहार, दरबारी कान्हड़ा, पूरिया।

इकाई – 2

निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास।

आड़ा चौताल, दीपचन्दी, पंजाबी।

इकाई –3

उपर्युक्त रागों में से किन्हीं दो में तराना, एक ध्रुवपद, दुगुन, चौगुन के साथ।

इकाई –4

गायन हेतु – दादरा (कोई एक)

30/6/17

30.6.17 P.L. 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धान्तिक (गायन)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई –1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी – मियाँमल्हार, दुर्गा, अडाणा, मियाँ की तोड़ी, तिलंग, पूरियां धनाश्री। सवारी, गजझम्पा, शिखर – ठेका, दुगुन, चौगुन में लेखन।
2. पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों का लेखन।

इकाई –2

अ. पं. भरत की श्रुति स्वर व्यवस्था एवं सारणा प्रक्रिया।

ब. राग समय सिद्धांत।

स. एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति का सिद्धांत।

इकाई –3

मूर्च्छना– परिभाषा एवं प्रकार। राग वर्गीकरण के अन्तर्गत मेल राग एवं थाट राग वर्गीकरण।

इकाई –4

राग– परिभाषा, राग जाति एवं प्रकार।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान।

गंगूबाई हंगल, पं. राजाभैया पूछवाले

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017-18

<u>द्वितीय प्रश्न पत्र</u> – प्रायोगिक **(गायन)**

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई –1

पाठ्यक्रम के निर्धारित निम्न रागों में से किन्हीं दो में विलम्बित ख्याल आलाप तान सहित) तथा सभी रागों में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचनाएं। आलाप तान सहित।

मियाँ मल्हार, दुर्गा, अडाणा, मियाँ की तोड़ी, तिलंग, पूरिया धनाश्री।

इकाई –2

निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास –

सवारी, गजझम्पा, शिखर।

इकाई –3

उपर्युक्त रागों में से किन्हीं दो रागों में तराना एवं एक धमार दुगुन, चौगुन सहित।

इकाई –4

चतुरंग अथवा ठुमरी

P.L. Goel 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
भूपाली, यमन, भैरव, मालकौंस।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की विवेचनात्मक जानकारी।
तीनताल, कहरवा, दादरा– ठेका, दुगुन सहित लेखन।

इकाई – 2

अ. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का वर्णन।

ब. पाठ्यक्रम के रागों की मसीतखानी गत लिखना।

स. शुद्ध स्वरों में 5 अलंकार लिखना।

इकाई –3

परिभाषाएं– संगीत, नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, मींड, घसीट, कृन्तन, जमजमा, वर्ण, राग।

इकाई –4

मसीतखानी गत, रजाखानी गत, गज़ल, भजन, सम, ताली, खाली।

इकाई –5

निम्न संगीतज्ञों का जीवनी लिखिए –

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे, इमदाद खाँ

ब. अपने वाद्य का वर्णन (जानकारी)

30/6/17 P.L. Gurav 30-6-17 30.6.17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

प्रारंभिक 05 अलंकार अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास।

इकाई – 2

पाठ्यक्रम के रागों में आरोह, अवरोह, पकड़, दो मसीतखानी तथा एक रजाखानी गत। तोड़ों (तानों) सहित।

राग भूपाली, यमन, भैरव, मालकौंस।

इकाई –3

पाठ्यक्रम के तालों का अध्ययन तथा हाथ से ताली लगाना।

तीन ताल, दादरा, कहरवा।

इकाई –4

प्रथम तीन अलंकार हारमोनियम पर बजाने का अभ्यास।

इकाई –5

प्रायोगिक रिकार्ड।

30.6.17 P.L. Goswami 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई –1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों की विवेचनात्मक जानकारी –
अल्हैया बिलावल, भीमपलासी, काफी, वृन्दवानी सारंग,
पाठ्यक्रम के तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन–एकताल, चौताल, झपताल लेखन।

इकाई –2

अ. पाठ्यक्रम के रागों की स्वरलिपि लिखना।
(रजाखानी गत तथा तीन तानों सहित)
कल्याण एवं बिलावल थाट में प्रारंभिक 10 अलंकार लिखना

ब. पाठ्यक्रम के तालों का विस्तृत वर्णन।

इकाई –3

परिभाषाएं – श्रुति, गमक, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, थाट, मूर्च्छना, खटका, तान।

इकाई –4

निम्नलिखित गीत शैलियों का वर्णन–
चतुरंग, सरगम, ख्याल, लक्षणगीत, मात्रा, लय।

इकाई –5

निम्न संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं भारतीय संगीत में उनका योगदान–

अ. तानसेन, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर

ब. तबले की संक्षिप्त जानकारी

30/6/17 30.6.17 P. L. Gladus 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक-50

इकाई -1

दस थाटों में से किन्हीं पाँच थाटों में अलंकार अपने वाद्य पर बजाना।

इकाई -2

पाठ्यक्रम के रागों में से एक रजाखानी तथा दो मसीतखानी गत, तानों सहित तथा एक राग में झाला वादन।

इकाई -3

पाठ्यक्रम के तालों को हाथ पर ताली से दर्शाना।
एक ताल, चौताल, झपताल।

इकाई -4

प्रथम छह अलंकार हारमोनियम पर।

इकाई -5

प्रायोगिक रिकॉर्ड

30/6/17

30/6/17 P.L. Gorachu 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न-पत्र – सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक-42
आ.मू.-08

इकाई -1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों की विवेचनात्मक वर्णन –
आसावरी, जौनपुरी, भैरवी, देशकार, जैजैवंती।

ब. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन।
रूपक, झूमरा तथा तिलवाडा

इकाई -2

पारिभाषिक 'शब्दों' की जानकारी –
वाग्येकार, ग्रह, अंश, न्यास, अपन्यास, अल्पत्व, बहुत्व, स्थाई, अन्तरा, संचारी, आभोग।

भैरव एवं आसावरी थाट में अलंकार लेखन

इकाई -3

(अ) वादकों के गुण तथा अवगुण, आधुनिक आलाप गान, वर्ण तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

(ब) पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी एवं रजाखानी गत, बोल मात्रा तथा तानों सहित।

इकाई -4

निम्नलिखित गीत प्रकार का वर्णन –
लावनी, होरी, कजरी, चैती, मांड, गरबा, धुन।

इकाई -5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।
पं. भरत, अलाउद्दीन खाँ ।

30/6/17 30.6.17 P. L. Gehadkar 30.6.17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई –1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में मसीतखानी गत, रजाखानी गत (तोड़ो सहित), आसावरी, जौनपुरी, भैरवी, देशकार, जैजैवंती।

इकाई –2

पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की हाथ पर ठाह, दुगुन तथा चौगुन।

रूपक, झूमरा, तिलवाडा

इकाई –3

पाठ्यक्रम में निर्धारित किन्हीं दो रागों में झाला वादन।

इकाई –4

हारमोनियम पर राष्ट्रगान (जन–गण–मन) वादन।

इकाई –5

प्रायोगिक रिकॉर्ड।

30/6/17

30.6.17

P.L. Gracln 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न-पत्र - सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक-42
आ.गु.-08

इकाई -1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन -
बिहाग, खमाज, बागेश्री, काफी, देस।

ब. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन।
धमार, झूमरा, चौताल

इकाई -2

पाठ्यक्रम के रागों में रजाखानी गत, बोल मात्रा तानों सहित।
ध्रुवपद तथा उसकी वाणियों सहित वर्णन
काफी तथा खमाज थाट में अलंकार लेखन

इकाई -3

पं. व्यंकटमखी के एक सप्तक से 72 थाटों की उत्पत्ति का सिद्धांत
ग्राम तथा उसके प्रकारों का वर्णन। सप्तक तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई -4

निम्नलिखित गायन शैलियों का वर्णन -
धमार, ख्याल, तराना, चतुरंग, टप्पा, तान तथा उसके प्रकार।

इकाई -5

निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी तथा भारतीय संगीत में योगदान।
पं. रविशंकर, पं. शारंग देव ।
अपने वाद्य का इतिहास एवं विकास।

30/6/17 30.6.17 P. L. Gohadkar 30.6.17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई –1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में मसीतखानी, रजाखानी गत, तान सहित, बिहाग, खमाज, बागेश्री, देस।

इकाई –2

निम्नलिखित तालों की हाथ पर दुगुन तथा चौगुन– धमार, झूमरा, चौताल।

इकाई –3

पाठ्यक्रम में से किन्हीं दो रागों में झाला वादन।

इकाई –4

हारमोनियम पर राष्ट्रगीत।

इकाई –5

प्रायोगिक रिकॉर्ड।

30/6/17

30.6.17 P.L. Gohadkar 30-6.17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई –1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक वर्णन – दरबारी–कान्हाड़ा, मारवा, शुद्ध कल्याण, पूरिया धनाश्री, पूर्वी।

ब. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन। दीपचन्दी, पंजाबी, आड़ा चौताल

इकाई –2

पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर स्वरलिपि पद्धति।
गमक और उसके प्रकार
मारवा एवं पूर्वी थाट में अलंकार लेखन

इकाई –3

पारिभाषिक शब्दावलियों का वर्णन– गीत, गांधर्व, गान, तिरवट, सरगम, लक्षणगीत।
पं. भातखण्डे जी के एक सप्तक से 32 थाटों की उत्पत्ति का सिद्धांत।

इकाई –4

पाठ्यक्रम के रागों की रजाखानी गत। मसीतखानी गत तानों सहित।
मारवा, पूर्वी थाट में अलंकार

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का विस्तृत जीवन परिचय।
अ. उ. विलायत खाँ, पं. श्रीनिवास
ब. गज वाद्यों की जानकारी (कोई दो)

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निम्नलिखित रागों में से किन्हीं दो रागों में मसीतखानी तथा रजाखानी गत तानों सहित।

दरबारी कान्हाड़ा, पूरिया धनाश्री, शुद्ध कल्याण, मारवा (कोई तीन), पूर्वी

इकाई – 2

निम्नलिखित तालों की हाथ पर ठाह, दुगुन तथा चौगुन –

दीपचन्दी, आड़ा चौताल, पंजाबी।

इकाई –3

उपरोक्त किन्हीं दो रागों में झाला वादन।

इकाई –4

हारमोनियम पर धुन 'सारे जहाँ से अच्छा' बजाना।

इकाई –5

प्रायोगिक रिकॉर्ड।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न-पत्र – सैद्धान्तिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 42
आ.मू. 08

इकाई –1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक विवरण कीजिए
दुर्गा, वसंत, मियाँ मल्हार, तोड़ी, तिलंग।

ब. निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन तथा चौगुन के साथ लिखना
एकताल, धमार, पंचम सवारी

इकाई –2

एक थाट से 484 (चार सौ चौरासी) रागों की उत्पत्ति का सिद्धान्त।

इकाई –3

अ. गमक, थाट वर्णन।

ब. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानी / रजाखानी गत तानों सहित।
तोड़ी, भैरवी थाट के अलंकार।

स. भरत की श्रुति स्वर व्यवस्था एवं सारणा।

इकाई –4

राग समय सिद्धान्त, राग में वादी स्वर का महत्व।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी –

1. उ. मुशताक अली खाँ, स्वामी हरिदास
2. ताल वाद्यों की जानकारी (कोई दो)

30/6/17 P.L. Goradhu 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (वाद्य संगीत सितार)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 50

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में से किन्हीं दो रागों की मसीतखानी तथा रजाखानी गत तानों सहित।

राग दुर्गा, बसंत, मियाँ मल्हार, तोड़ी, [illegible]

इकाई – 2

निम्नलिखित तालों की हाथ पर ठाह, दुगुन तथा चौगुन –

एक ताल, धमार, पंचम सवारी

इकाई –3

किन्हीं दो रागों में झाला वादन।

इकाई –4

हारमोनियम पर धुन।

30/6/17

30.6.17 P.L. 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न-पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

101- संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक- 85
आ.मू.-15

इकाई -1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

श्याम कल्याण, अहीर भैरव, शुद्ध सारंग, रागेश्री, बागेश्री, गुर्जरी तोड़ी।

इकाई -2

अ- निम्नलिखित तालों के ठेके ठाह आड़, कुआड़, विआड़ लय में लिखना एकताल, त्रिताल, आड़ा-चौताल

ब- हारमनी – मैलॉडी का अध्ययन।

इकाई -3

अ- प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास-आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित

ब- भारतीय संगीत के सप्तक का विकास

इकाई -4

अ- राग- परिभाषा, जाति एवं प्रकार।

ब- राग वर्गीकरण- दशविधि राग वर्गीकरण एवं राग- रागिनी वर्गीकरण।

इकाई -5

अ- रस की परिभाषाएं, रस प्रकार, स्वर एवं रस का पारस्परिक संबंध।

ब- सौन्दर्य शास्त्र- रस एवं सौन्दर्य का पारस्परिक सम्बन्ध

30/6/17 30/6/17 P.L. Gosh 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

102 – भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.गू.–15

इकाई – 1

संगीत का उद्‌गम – भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।

इकाई – 2

भारतीय संगीत का इतिहास–वैदिक कालीन संगीत, सामवेद में संगीत।

इकाई –3

पौराणिक एवं महाकाव्य कालीन संगीत – (रामायण, महाभारत कालीन संगीत)

इकाई –4

जैन एवं बौद्ध कालीन संगीत, मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत।

इकाई –5

भरत कृत नाट्‌यशास्त्र एवं शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के स्वर, श्रुति, सारणा प्रकरण का अध्ययन

30/6/17 30/6/17 P. L. 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

103– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- श्याम कल्याण
- शुद्ध सारंग
- अहीर भैरव
- रागे श्री
- बागे श्री
- गुर्जरी तोड़ी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- परमेश्वरी
- मारवा
- सोहनी
- मधमाद सारंग
- मेघ मल्हार
- बैरागी भैरव

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के किन्हीं चार रागों में द्रुत रचनाएं।

30/6/17 30.6.17 P. L. Gohadkar 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

104 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक -100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, कामोद, केदार, खमाज, पीलू, काफी।

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

P. L. Goheelkar 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

201– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
देवगिरि बिलावल, यमनी बिलावल, मारू बिहाग, नायकी कान्हड़ा, झिंझोटी, मुल्तानी।

इकाई –2

पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास। आलाप, तान–तोड़ों सहित।

इकाई –3

निम्नांकित का अध्ययन –
मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक।

इकाई –4

राग वर्गीकरण– थाट राग, राग–रागांग वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– गायन हेतु– दिये गये पदों को उचित राग एवं ताल मे निबद्ध करना।

ब– वादन हेतु– मिजराब के बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

स– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह के साथ आड, कुआड, बिआड में लिखना। चौताल, तिलवाडा, दीपचन्दी।

30/6/17 30.6.17 P.L. Gohadia 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

202– भारतीय संगीत का इतिहास।

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक [illegible]

इकाई –1

खण्डमेरू, स्वर प्रस्तार, नश्टोदिष्ट प्रकरण (शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के संदर्भ में)

इकाई –2

अ– भारतीय संगीत के मध्यकाल का इतिहास–मानसिंह कालीन संगीत।

ब– मुगलकालीन संगीत।

इकाई –3

संगीत के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी एवं निम्न घरानों का विशेष अध्ययन– ग्वालियर, किराना, जयपुर, आगरा, सेनिया इमदाद खाँ घराना।

इकाई –4

आधुनिक कालीन संगीत – पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर का योगदान।

इकाई –5

निम्नलिखित विषयों पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

1. भारतीय संगीत में गुरू शिष्य परम्परा।
2. शास्त्रीय संगीत की मंचीय प्रस्तुति का क्रम।
3. संगीत एवं चिकित्सा का सम्बन्ध।
4. राग एवं समय सिद्धांत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।
5. पं. ओंकारनाथ ठाकुर रचित ग्रंथों का अध्ययन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

203 – राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- देवगिरी बिलावल
- यमनी बिलावल
- मारू बिहाग
- नायकी कान्हड़ा
- सूर मल्हार
- झिंझोटी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- सूहा
- सुघराई
- सहाना
- देस
- सरस्वती
- कलावती

विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं तथा चार रागों में द्रुत रचनाएं एवं सामान्य अध्ययन के रागों में कोई चार द्रुत रचनाएं।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

204 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा अथवा टप्पा–उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हाड़ा, मुल्तानी, पहाड़ी, शिवरंजनी, अड़ाणा, [illegible]।

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

301– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक [illegible]

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
आभोगी कान्हाड़ा, कौसी कान्हाड़ा, बिलासखानी तोड़ी, जोगिया, देसी, गोरख कल्याण।

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों को विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों / तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके – ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना। रूपक, चौताल, पंचम सवारी। (कोई एक)

ब– हिन्दुस्तानी एवं पाश्चात्य नोटेशन पद्धतियों का अध्ययन।

इकाई –4

निबद्ध एवं अनिबद्ध गान का अध्ययन, उनके प्रकारों सहित।

इकाई –5

अ– हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धान्त (भातखण्डे जी की पद्धति अनुसार)।

ब– पं. भीमसेन जोशी, पं. शिवकुमार शर्मा, आचार्य बृहस्पति का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

302 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 85

इकाई –1

कंठ स्वर संस्थान की जानकारी एवं कंठ संस्कार।

इकाई –2

भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण। प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक कालानुसार।

इकाई –3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई –4

गीत रचना के सिद्धान्त एवं दिये गये पदों को उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

वादन हेतु – बोलों के आधार पर त्रिताल के किसी अन्य ताल में गत रचना।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों का निबंध लेखन।

लोक संगीत, भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य वृंद, संगीत एवं योग, दूरस्थ संगीत शिक्षण पद्धति की उपयोगिता, शास्त्रीय संगीत में इलैक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का उपयोग एवं उपादेयता।

30/6/17 P. L. Gowadm 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2017–18

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

303– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- आभोगी कान्हड़ा
- कौंसी कान्हड़ा
- बिलासखानी तोड़ी
- जोगिया
- देसी
- गोरख कल्याण

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- हंस ध्वनि
- जोग
- वसंतमुखारी
- हिंडोल
- भूपाल तोडी
- कोमलरिषभ आसावरी

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में [illegible] एवं सभी में द्रुत रचनाएं। सामान्य अध्ययन के रागों में [illegible] में द्रुत रचनाएं।

P. L. Gond
30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017-18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

304 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एक वादन तीन ताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

भूपाली, मियाँ मल्हार, पूरियाधनाश्री, वृंदावनी सारंग, देस, तिलंग, पीलू, काफी। शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017-18

<u>प्रथम प्रश्न–पत्र</u> – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

401– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन-

विभास, मधुवंती, पूरियाकल्याण, चन्द्रकौंस, भटियार, जोगकौंस।

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– दक्षिणी एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धतियों की तुलना ताल लिपि सहित।

ब– प्रचलित उत्तर भारतीय प्रमुख तालों को कर्नाटकी ताल पद्धति के अनुसार लिखना।

इकाई –4

निम्नलिखित विषयों पर निबंध (600 शब्द)

पाश्चात्य संगीत, सुगम संगीत, अष्टछाप का संगीत।

निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– कल्याण, भैरव, सारंग अंग

इकाई –5

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ लय में लिखना। झपताल, धमार, तिलवाड़ा।

ब– दिये गये पद को उचित ताल एवं राग में निबद्ध करना।

वादन हेतु– बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

30/6/17

30.6.17 P. L. Ghadhi 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017–18

<u>द्वितीय प्रश्न–पत्र</u> – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

402 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

अ– नाद, सहायक नाद, स्वयंभूनाद व कर्ण की बनावट एवं श्रवण सिद्धांत।

इकाई – 2

ध्वनि विज्ञान– अनुरंजन, परावर्तन, आवर्तक, विवर्तन, अनुनाद, व्यतिकरण, दोलन एवं वहन, ध्वनि वेग तथा ध्वनि संचालन माध्यम।

इकाई –3

निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– मल्हार, कान्हड़ा एवं तोड़ी।

इकाई –4

दिये गये पद एवं सितार के बोलों के आधार पर स्वर रचना का निर्माण।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों का निबंध लेखन।

संगीत एवं रस, महाविद्यालयीन संगीत शिक्षा वर्तमान एवं भविष्य की संभावनाएं, रवीन्द्र संगीत, महाराष्ट्र की कीर्तन परम्परा।

संगीत में शोध प्रविधि – परिभाषा, स्वरूप एवं सामान्य परिचय।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न-पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन।

ततकार, हस्तक, ठाठ, प्रणामी, तोड़ा, आमद, कवित्त, ताल, सम, खाली, विभाग, ठेका, मात्रा, गत निकास, ठा. दुगुन चौगुन।

इकाई – 2

निम्न विषयों का अध्ययन –

1. ताण्डव नृत्य
2. लास्य नृत्य
3. ग्रीवा भेद

इकाई –3

अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तों का अध्ययन।

अ. असंयुक्त हस्त क्रमानुसार 16 हस्तमुद्राएं (1 से 16 तक) चित्रांकन सहित।

ब. जयपुर और लखनऊ घराने का अध्ययन

इकाई –4

1. कथक नृत्य की उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास
2. भरत नाट्यम् शास्त्रीय नृत्य शैली का अध्ययन।

इकाई –5

1. जीवनियाँ (अ) स्व. बिन्दादीन महाराज
   (ब) स्व. कालिका प्रसाद
2. प्रायोगिक तालों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना।
   ताल, त्रिताल, ताल कहरवा, ताल दादरा

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

तीन ताल में नृत्य निम्नानुसार –

(अ) ततकार, हस्तक संचालन, ठाठ (कसक, मसक, कटाक्ष)।
प्रणामी–1, आमद–1, तोड़ा–2, परन–1, तिहाई–2, कवित्त–1

(ब) गत निकास– मुरली, घूंघट
गत भाव– पनिहारिन

इकाई – 2

झपताल में नृत्य –
ततकार, ठाठ, आमद–1, तोड़ा–2, तिहाई–2

इकाई –3

(अ) निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढ़त करना। तीनताल, झपताल, कहरवा एवं दादरा

(ब) असंयुक्त हस्त एवं ग्रीवा भेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।

इकाई –4

कहरवा अथवा दादरा में एक लोक नृत्य।

30/6/17

30/6/17 P. L. Gohadkar 30-6-17

30

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न-पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

पारिभाषिक 'शब्दों' का अध्ययन।
लय, अंग–प्रत्यंग–उपांग, तिहाई, सलामी, टुकड़ा, परण, चक्करदार, आवर्तन, मात्रा, प्रिमलू, कसक–मसक–कटाक्ष, गतभाव

इकाई – 2

निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद

(ब) नृत्य एवं नृत्य का अध्ययन

इकाई –3

अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तों का अध्ययन।

(अ) असंयुक्त हस्त क्रमानुसार (16 से 32 तक) चित्रांकन सहित।

इकाई –4

(अ) कथक नृत्य के घराने एवं उनकी विशेषताएं– बनारस और रायगढ़ घराना

(ब) मणीपुरी एवं कथकली शास्त्रीय नृत्य शैली का संक्षिप्त परिचय।

इकाई –5

1. जीवनियाँ (अ) स्व. जयलाल महाराज
   (ब) स्व. बिन्दादीन महाराज
2. प्रायोगिक तालों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करना।
   ताल झपताल, ताल त्रिताल, ताल दादरा

30/6/17 30.6.17 P.L. Ghadke 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

अ. तीन ताल में नृत्य निम्नानुसार –

ठाठ, ततकार (ठाः, दुगुन, चौगुन में)।

आमद–1, सलामी–1, तोड़ा–2, चक्करदार परन–1, कविता–1 तिहाई–2

ब. गत निकास– मोर मुकुट, मटकी

गत भाव– होली

इकाई – 2

(अ) झपताल में नृत्य निम्नानुसार –

ठाठ, ततकार, (ठाः, दुगुन, चौगुन में)

आमद–1, तोड़ा–2, परन–1, चक्करदार–1, कवित्त–1

इकाई –3

(अ) निम्नलिखित तालों को ठाः, दुगुन एवं चौगुन लय में पढ़त करना।

ताल तीनताल, ताल झपताल, ताल दादरा

(ब) असंयुक्त हस्त एवं शिरो भेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।

इकाई –4

किसी एक प्रदेश के लोकनृत्य का प्रदर्शन।

30/6/17 30.6.17 P. L. Gohad 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न-पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

अभिनय दर्पण के अनुसार "संयुक्त हस्त" मुद्रा का विस्तारपूर्वक अध्ययन।

(अ) संयुक्त हस्त क्रमानुसार 12 हस्त मुद्राएं
(1 से 12 तक) चित्रांकन सहित।

इकाई – 2

1. निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्य की उत्पत्ति और महत्व। मार्गी एवं देशी नृत्य।

(ब) कत्थक शब्द की व्युत्पत्ति का विवेचनात्मक अध्ययन।

इकाई –3

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) घुंघरू लक्षण (ब) दृष्टि भेद

इकाई –4

1. भातखण्डे एवं पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का अध्ययन।
2. जीवनियाँ– स्व. अच्छन महाराज स्व. लच्छू महाराज

इकाई –5

(अ) नायक भेद का अध्ययन

(ब) प्रायोगिक तालों को ठाः, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करना एवं सीखी हुई रचनाओं को लिपिबद्ध करना।

ताल धमार, ताल तीन ताल

SS 30/6/17 30-6-17 P.L. Gohad 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

ताल धमार में निम्न नृत्य प्रकार –

ततकार, ठाठ, आमद–1, प्रणामी–1, तोड़ा–5, परन (चतुरश्र जाति)–2, कवित्त–2

इकाई – 2

(अ) ताल चौताल के नृत्य –

ततकार, ठाठ, आमद–1, परन–2, चक्करदार परन–1, कवित्त–2

इकाई –3

तीन ताल में नृत्य –

(अ) आमद, परन, चक्करदार, तोड़ा, कवित्त, गत निकास।

गतभाव– कालिया दमन।

इकाई –4

(अ) भजन पर भाव प्रदर्शन।

(ब) ततकार के प्रकारों का अभ्यास।

30/6/17

30.6.17 P.L. Gwadhu 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

अभिनय दर्पण के अनुसार "संयुक्त हस्त" मुद्रा का विस्तारपूर्व अध्ययन।

(अ) संयुक्त हस्त क्रमानुसार 12 हस्त मुद्राएं (13 से 23 तक) चित्रांकन सहित।

इकाई – 2

1. निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) ताल के दस प्राण

(ब) कत्थक नृत्य की व्युत्पत्ति, विकास एवं वर्तमान स्थिति।

इकाई –3

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) पात्र लक्षण (ब) भृकुटि भेद

इकाई –4

1. भातखण्डे एवं पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का परस्पर अंतर।
2. जीवनियाँ– स्व. शम्भू महाराज

श्रीमती दमयंती जोशी

इकाई –5

(अ) नायिका भेद का विस्तारपूर्वक अध्ययन।

(ब) प्रायोगिक तालों को ठाः, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करना एवं सीखी हुई रचनाओं को लिपिबद्ध करना।

ताल चौताल, ताल तीन ताल

30/6/17 30.6.17 P.L. Gwalior 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक-50

इकाई – 1

ताल धमार में निम्न नृत्य प्रकार –

ठाठ, आमद-1, सलामी-1, प्रिमलू-1, चक्करदार परन –2, कवित्त-1

इकाई – 2

ताल चौताल के नृत्य

ठाठ, आमद-2, तोड़ा-2, परन-2, तिहाई-2, कवित्त-2

इकाई –3

(अ) तीन ताल में नृत्य –

आमद-1, तोड़ा-3, परन (तिस जाति), तिहाई-2, चक्करदार तोड़ा-1

(ब) गत भाव – पूजा

(स) गत निकास – घूंघट, रुखसार

इकाई –4

(अ) ठुमरी पर भाव प्रदर्शनी।

(ब) ततकार के प्रकार।

30/6/17

30/6/17

P.L. Gorhacum
30-6/17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017–18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

नाट्य शास्त्र के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन

(अ) रस निष्पत्ति के सिद्धान्त का अध्ययन।

(ब) रस के प्रकारों का अध्ययन।

इकाई – 2

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

क. गतिभेद

ख. नवग्रह हस्त

इकाई –3

1. रास लीला की उत्पत्ति का अध्ययन।
2. अभिनय भेद का अध्ययन

इकाई –4

1. जीवनियाँ –

   (अ) पं. बिरजू महाराज

   (ब) श्रीमती सितारा देवी

2. प्रायोगिक में सीखे गये तालों में बोल लिपिबद्ध करना।
   ताल– ताल तीन ताल, पंचम सवारी

इकाई –5

(अ) कथक के विकास में रायगढ़ महाराज चक्रधर सिंह जी का योगदान।

(ब) कत्थक नृत्य के वस्तु क्रम का परिचय

30/6/17 30.6.17 P. L. Gohadke 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. पंचम सेमेस्टर 2017-18

द्वितीय प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक-50

इकाई – 1

ताल पंचम सवारी में नृत्य–

ततकार, ठाठ, आमद–2, तोड़ा–3, परन (मिश्र, चतुरश्र, जाति), कवित्त–2, चक्करदार –1

इकाई – 2

ताल तीनताल में –

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के साथ–साथ निम्न विषयों का अध्ययन – त्रिपल्ली, चौपल्ली

इकाई –3

(अ) गत निकास (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के)

(ब) गत भाव– माखन चोरी

(स) भाव पक्ष– ठुमरी अथवा भजन पर भाव।

इकाई –4

ततकार में लय बाँट तथा प्रकारों का अभ्यास।

इकाई –5

एक लोक नृत्य।

SS 30/6/17

30.6.17 P.L. Ghadius 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017-18

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–42
आ.मू.–08

इकाई – 1

नाट्य शास्त्र के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) भरत की रंगमंच व्यवस्था का अध्ययन।

(ब) भाव व उनके प्रकारों का अध्ययन। (रस निष्पत्ति के संदर्भ में)

चतुस्त्र (वर्गाकार), त्र्यस्त्र (त्रिभुजाकार), विकृष्ट (आयताकार)

इकाई – 2

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

क. दशावतार हस्त

ख. देवहस्त

इकाई –3

(अ) लोकनृत्य की उत्पत्ति, विकास, सामाजिक एवं धार्मिक महत्व।

(ब) रासलीला का कथक से सम्बन्ध।

इकाई –4

1. जीवनियाँ –

(अ) गोपीकृष्ण (ब) दुर्गालाल

2. प्रायोगिक में सीखे गये तालों में बोल परण लिपिबद्ध करना।

ताल गजझम्पा – 15 मात्रा ताल तीनताल – 16 मात्रा

इकाई –5

कथक के विकास में (अ) लखनऊ नबाव वाजिद अली शाह का योगदान।

(ब) रायगढ़ के प्रमुख नृत्यकर्मी का जीवन परिचय पं. कार्तिक राम

83 30/6/17

30/6/17 P. L. Gohadia 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कत्थक नृत्य शास्त्र)

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–50

इकाई – 1

ताल गजझम्पा में नृत्य –

ततकार, ठाठ, आमद–2, तोड़ा–3, परण (तिस्त्र मिश्र जाति), कवित्त–2, तिहाई–2, चक्करदार तोड़ा–1

इकाई – 2

ताल तीनताल में –

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के साथ–साथ निम्न विषयों का अध्ययन

फरमाईशी, चक्करदार, नवहक्का परनों का अभ्यास।

इकाई –3

(अ) गत निकास– गुरली, घूँघट, रूखसार

(ब) गत भाव– गोवर्धन लीला

इकाई –4

(अ) ठुमरी अथवा चतुरंग पर भाव प्रदर्शन

(स) ततकार के प्रकार (लय बाट)

30/6/17 30.6.17 P.L. College 30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

सुगम संगीत (गायन)

		क्रेडिट
1.	प्रारंभिक 10 अलंकार (कल्यांण, बिलावल थाट)	02
2.	2 गीत (महादेवी, निराला, हरिवंशराय बच्चन, सुमित्रानंदन पंत, नीरज) 2 गज़ल (मिर्ज़ा ग़ालिब, फैज़, निदा फाज़ली) 2 भजन (मीरा, कबीर, सूर, तुल्फी)	12
3.	ताल परिचय – दादरा, कहरवा, रूपक, त्रिताल एवं ताली देना	02
4.	संगीत शास्त्र – उत्पत्ति, शास्त्रीय एवं सुगम संगीत का तुलनात्मक अध्ययन	02
5.	लोक ~~[illegible]~~ एवं राष्ट्रीयगीत का गायन	02

30/6/17

30.6.17

30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

हारमोनियम, की बोर्ड

	क्रेडिट
1. अपने वाद्य की जानकारी	02
2. वाद्य पर प्रारंभिक 10 अलंकारों को बजाना	06
3. ताल–दादरा, कहरवा, रूपक, त्रिताल	03
4. राष्ट्रीय गीत एव वंदेमातरम् का वादन	06
5. कोई एक धुन	03

30/6/17

30.6.17

P. L. Gohadu
30-6-17

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

ढ़ोलक वादन

	क्रेडिट
1. वाद्य की संपूर्ण जानकारी	04
2. ढोलक के बोल निकासी एवं हस्त संचालन	04
3. ताल–दादरा, कहरवा, रूपक	04
4. सुगम संगीत में संगत	04
5. लोक गीतों में संगत	04

30/6/17

30.6.17

P. L. Gohadkar
30-6-17

शा. कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

क्षेत्रीय लोक संगीत गायन

पाठ्यक्रम अवधि – 3 माह (Short Term Course)

पाठ्यक्रम सैद्धांतिक

पूर्णांक–70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन– 30 अंक

इकाई– एक : लोक संगीत की परिभाषा एवं सामान्य परिचय।

इकाई– दो : लोक संगीत की उत्पत्ति, शास्त्रीय एवं लोक संगीत का सम्बन्ध।

इकाई– तीन : स्वर– शुद्ध एवं विकृत स्वरों का सामान्य परिचय।
सप्तक– परिभाषा एवं प्रकार

इकाई – चार : ग्वालियर, चम्बल संभाग एवं बुंदेलखंड के प्रमुख लोक गीतों के प्रकार।

इकाई– पाँच : लोकगीतों में प्रयुक्त तालों का अध्ययन एवं लिखने का अभ्यास।
दादरा, कहरवा, दीपचन्दी। निम्न लोक वाद्यों की जानकारी, ढोलक,
झांझ, मंजीरा, खंजरी

30/6/17

30.6.17

P. L. Gohad
30-6-17

क्षेत्रीय लोक संगीत गायन

पाठ्यक्रम अवधि – 3 माह (Short Term Course)

पाठ्यक्रम प्रायोगिक

पूर्णांक–100 अंक

इकाई– एक : ग्वालियर चंबल संभाग के दो लोकगीत प्रकारों के लंगुरिया एवं राई के गायन का अभ्यास।

इकाई– दो : बुंदेलखंड के पाँच लोकगीत प्रकारों के गायन अभ्यास। – गारी, बधाई,...

इकाई– तीन : लोकगीतों में प्रयुक्त निम्न तालों को हाथ से लगाने का अभ्यास। दादरा, कहरवा।

इकाई – चार : चित्रपट संगीत में प्रयुक्त किन्हीं दो लोकगीतों के प्रस्तुती का अभ्यास।

इकाई– पाँच : भारत के किन्हीं पाँच लोकगीतों की सामान्य जानकारी।